विषय– हिन्दी कक्षा– 5 टर्म– 3

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक पाठ 14 स्वर्ण नगरी की सैर दिनांक ..... से .....तक

शिक्षण आकलन योजना

समूह 1 के बच्चों के रोल नं0 समूह 2 के बच्चों के

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :–

1. चित्र देखकर स्वयं सृजन कर वाक्य लिखना। 2. पर्यायवाची शब्दों को समझना एवं लेखन में प्रयोग करना। 3. नए शब्दों का अर्थग्रहण कर संदर्भ से समझना एवं प्रयोग करना। 4. स्वयं द्वारा की गई यात्राओं का वृतान्त समूह में सुनाना।

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियॉ	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव
(सामूहिक ; उपसमूह एवं व्यक्तिगत)		(बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
सामूहिक कार्य– 1. शिक्षक पाठ में दिए चित्रों का बालकों से अवलोकन करवाएगा।उनकी अभिव्यक्ति जानना। 2. बालकों से उनके द्वारा की गई यात्रा के बारे में बातचीत करना एवं उनके अनुभव जानना। 3. जैसलमेर के एतिहासिक एवं धार्मिक सिलों के बारे में बालकों से चर्चा करना। 4. प्रश्न पूछना जैसेः–1.किला किस पहाडी पर बना हुआ है ? आदि। 5. वर्तनी सुधार के लिए श्रुतलेख करवाना। जैसेः– रात में ..... नहीं भूलती।	राजस्थान के जैसलमेर जिले की जानकारी का आकलन करना बालको की मौखिक अभिव्यक्ति दर्ज करना	साप्ताहिक .....से .....तक
उपसमूह कार्य– 1. उपसमूह में पाठ को पढेगें एवं एतिहासिक तथा धार्मिक स्थानों की सूची बनाना। 2. पाठ में आए मुहावरों को छाँटकर लिखना एवं वाक्यों में प्रयोग करना। 3. अपने द्वारा की गई यात्रा पर चर्चा करना एवं अपने अनुभव लिखना।	पढकर समझने का आकलन करना	
व्यक्तिगत कार्य– 1. पाठ में आए कठिन शब्दों को उच्चारण कर लिखना। 2. पाठ के किसी खण्ड की बोलकर अनुलेख करना। 3. अभ्यास पुस्तिका में दिए कार्य को करना।	बालक द्वारा किए गए कार्यो की जाँच करना	

http://rajteachers.com/cce.php

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–	सृजनशीलता का	पाक्षिक
1. चित्र देखकर पाँच–दस वाक्य लिखना।	अपेक्षित स्तर दर्ज करना	——————से ——————तक
2. अपने आस–पास के धार्मिक एवं एतिहासिक स्थानों की जानकारी कर सूची बनाना।		
3. कठिन शब्दों के अर्थ याद कर सुनाना। जैसेः–दुर्गम–मुश्किल; पोल–बडा द्वार आदि।		
समूह 2 के लिए उद्देश्य –		
1. बालक दी गई विषय–वस्तु को धारा–प्रवाह से पढ सकेगा। प्रमुख एतिहासिक एवं धार्मिक स्थानों की जानकारी कर सकेगा। 3. प्रश्नों के उत्तर सवयं करना।		
समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक ; उपसमूह ; व्यक्तिगत)		
सामूहिक कार्य–	बालकों के विचारों की	
1. पाठ में आए कठिन शब्दों को शिक्षक लिखकर बार–बार उच्चारण करवाएगा।	अभिव्यक्ति दर्ज करना	
2. पाठ में दिए चित्र दिखाकर उन पर बालकों से बातचीत करेगा।		
3. पाठ का विकास करते हुए बीच–बीच में बालकों से मौखिक प्रश्न करना।		
उपसमूह में कार्य–	बालक की सृजनशीलता	
1. उपसमूह में बालकों से अलग–अलग खण्ड का वाचन करवाना।	अपेक्षित प्रगति को दर्ज	
2. पाठ में दिए चित्रों को देखकर दो–दो वाक्य लिखना।	करना	
3. कठिन शब्दों के अर्थ याद कर सुनाना। जैसेः–दुर्गम–मुश्किल; पोल–बडा द्वार आदि।		
व्यक्तिगत कार्य–	अर्थग्रहण की जाँच	
1. पाठ के किसी खण्ड की बोलकर अनुलेख करना।	करना एवं टिप्पणी करना	
2. पाठ के किसी गद्यांश पढना तथा प्रश्नों के उत्तर स्वयं छाँटना व लिखना।		
पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि –	संस्था प्रधान का अभिमत :–	